an>

Title: Regarding recruitment of 'Safai karmachari' in Bhadohi District.

श्री रमेश बिन्द (भदोही) : माननीय सभापति जी, आपने मुझे बोलने का अवस प्रदान किया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आज इस सदन के सम पुनः एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा जो कि सफाई कर्मचारियों से संबंधित है, उस प सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा। मैं उत्तर प्रदेश के भदोही जिले से चुनक आया हूं। भदोही कालीन की नगरी के रूप में पूरे विश्व में मशहूर है। प्रदेश में मा भदोही एक ऐसा जिला है, जहां 14 वर्ष बीत गए, लेकिन आज तक एक भ सफाईकर्मी की नियुक्ति नहीं हुई है।

वर्ष 2008 में राज्य सरकार ने सफाईकर्मियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू क थी। हमारे प्रधानमंत्री जी की सबसे महत्वपूर्ण योजना 'स्वच्छ भारत' है और हमा देश और जिले को स्वच्छ रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सफाई कर्मचारियों क है। मैंने वर्ष 2021 में बजट सत्र के दौरान यह मुद्दा उठाया था, लेकिन अभी तक इ पर कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। पूर्व में बसपा सरकार ने वर्ष 2008 में 1,272 राजस गांवों में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के रूप में आवेदन जारी किया था, लेकि पुनः प्रक्रिया धांधली और अनियमितता के कारण पूरी नहीं हो पाई।

वर्ष 2008 में सफाई कर्मचारी पद की नियुक्ति के लिए नियुक्ति प्रक्रिया शुर की गई थी। पहली बार 1,272 पद, दूसरी बार 80,000 पद व तीसरी बार लगभ 7,00,000 आवेदक आए थे, लेकिन तब से लेकर आज तक प्रक्रिया पूरी नहीं ह सकी। पूरे प्रदेश में हर जिले में सफाईकर्मियों की नियुक्ति हुई है, लेकिन किस कारणवश मेरे जिले में सफाईकर्मियों की नियुक्ति नहीं हो पाई, जिसके कार पिछले कुछ महीनों से जिला मुख्यालय पर सफाई कर्मचारियों का धरना प्रदर्श जारी है। सफाई कर्मचारियों की भर्ती में 14 वर्ष का विलंब हुआ है, जिसके कार लाखों आवेदकों के जीवन-यापन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि इस मुद्दे पर तत्का हस्तक्षेप करे तथा राज्य सरकार को आदेश दिया जाए कि इस भर्ती की प्रक्रिया क

अगले एक महीने में पूरा किया जाए, जिससे परिषद, स्कूल तथा पंचायत के अधी आने वाले सरकारी भवन तथा सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई से लेकर साम आने वाली समस्याओं का समाधान होगा और हम हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ज और प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा निर्धारित स्वच्छ भारत का लक्ष्य पूरा क सकेंगे।